श्री कामेश्वर सिंह 'सहायक प्रोफेसर'
राजनीति विभाग, रोहतास महिला कॉलेज सासाराम
वर्ग - बी०ए० पार्ट - I 'प्रतिष्ठा'
पत्र - प्रथम ', यूनिट नं० - 18
राजनीतिक शास्त्र, ' डॉ० वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
दिनांक - 13 - 07 - 2020;

जनमत

प्र० - जनमत से आप क्या समझते हैं? जनमत निर्माण के कौन कौन से मुख्य साधन है स्पष्ट करें।

→ जनता की इच्छा के संगठित रूप को जनमत कहते हैं यदि सरकार जनता के अनुसार शासन संचालन नहीं करती है तो वह अप्रजातांत्रिक होगी। अत: जनमत का अध्ययन राजनीतिक शास्त्र के छात्रों के लिए अति आवश्यक है।

जनमत शब्द की उत्पत्ति प्राचीन है, ग्रिस एवं रोम के विद्वानों ने इसका न्यायिक अर्थ में प्रयोग किया राजनीतिक अर्थ में नहीं, मैकेश वैली ने कहा है कि "जनता का मत ईश्वर का मत है।" आधुनिक अर्थ में जनमत शब्द का प्रयोग पहली बार फ्रांस में रूसो ने किया, विभिन्न विद्वानों ने जनमत की परिभाषा दिये हैं। लेकिन अधिकांश परिभाषाएं अस्पष्ट हैं, फीर भी कुछ विद्वानों ने अपना मत प्रकट किये हैं

ब्राइस → "जनमत मनुष्यों के उन विभिन्न दृष्टिकोणों का योगमात्र है जो सार्वजनिक हितों से सम्बन्ध विषयों के बारे में रखते हैं।

ड्यूब → "जनमत का अर्थ है एक ही सामाजिक समूह के रूप में जनता का किसी प्रश्न या समस्या के प्रति रुख या विचार।"

लिपमैन → "जनमत लोगों के मस्तिष्क की वे धारणाएं हैं जो वे अपने बारे में तथा अपनी आवश्यकताओं, उद्देश्यों एवं संबंधों के बारे में रखते हैं।"

साधारण बोल चाल की भाषा में जनता के सामूहिक मत को जनमत कहते हैं। सिद्धान्त रूप से किसी भी सार्वजनिक प्रश्न पर सब लोगों के विचारों की एक रूपता को जनमत कहते हैं।

शाब्दिक अर्थ के अनुसार जनता के मत को जनमत कहते हैं लेकिन यह अर्थ गलत है, क्योंकि किसी भी प्रश्न पर सभी जनता का मत एक मत नहीं हो सकता, कुछ लोग बहुमत को जनमत कहते हैं। जो गलत है, जिस मत का उद्देश्य सारे समाज का हित करना हो, वही जनमत कहला सकता है, एक व्यक्ति का मत भी जनमत कहलाने योग्य हो सकता है

Scanned with CamScanner

और वह सम्पूर्ण समाज की भलाई को दृष्टि में रखे।
अत: डॉ० बेनीप्रसाद के अनुसार जिस मत का उद्देश्य सारे समाज का हित करना है वही जनमत है।
जनमत के निर्माण के साधन → जब जनमत के निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है तब निम्नलिखित विन्दुओं द्वारा जनमत का निर्माण होता है - जैसे -
1 सामाचार पत्र →
स्वतंत्र प्रेस प्रजातंत्र की रीढ़ है। तथा जनमत निर्माण के प्रमुख साधन हैं। सामाचार पत्र द्वारा देश विदेश के सामाचार जनता तक पहुँचाती है। सामाचार पत्र जनता तथा सरकार के बिच एक कड़ी का काम करते है। वे जनता की बात सरकार तक तथा सरकार की बात जनता तक पहुँचाता है। यह जनता में राजनैतिक चेतना पैदा करता है। लेकिन पक्षपातरहित न्यायगुप्त तथा स्वतंत्र प्रेस ही जनमत के निर्माण में सहायता करता है। इस प्रकार सामाचार पत्र जनमत के निर्माण का मुख्य साधन माना गया है। क्रमश: